ITUWTSA
NEW DELHI2024

सत्यमेव जयते

इस्पात मंत्री, भारत सरकार

संदेश

हिंदी दिवस के अवसर पर इस्पात मंत्रालय से जुड़े सभी कार्मिकों को हार्दिक शुभकामनाएं।

भारत एक विशाल देश है। इसका इतिहास सदियों पुराना है। यहां अनेक भाषाएं बोली जाती हैं, जिनमें से 22 प्रमुख भाषाओं को भारतीय संविधान द्वारा मान्यता प्रदान की गई है। भारत की सभी भाषाएं महत्वपूर्ण हैं। उनका अपना-अपना समृद्ध इतिहास है। विभिन्न भारतीय भाषाओं के साथ समन्वय स्थापित करते हुए हिंदी ने जनमानस के मन में एक विशेष स्थान प्राप्त किया है। आजादी के आन्दोलन में अनेक स्वंतत्रता सेनानियों ने हिंदी को संपर्क भाषा बनाकर आन्दोलन की गति को बढ़ाने का प्रयास किया। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद-343 द्वारा संघ की राजभाषा हिंदी और देवनागरी लिपि को अपनाया, तब से प्रत्येक वर्ष इसकी स्मृति में 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है।

माननीय प्रधानमंत्री जी के राजभाषा हिंदी के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषाओं के प्रति प्रेम और उनके प्रयास हम सभी के लिए प्रेरणादायी रहे हैं। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में सरकार और आम-जन के बीच हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के माध्यम से संवाद स्थापित कर जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया गया, जिससे सरकार और आम जन के बीच संवाद और जुड़ाव निरंतर बना हुआ है।

जैसे-जैसे हम हिंदी को बढ़ावा देंगे, अन्य भारतीय भाषाएं भी समृद्ध होंगी। हम सभी को इस बात को समझना चाहिए कि हिंदी एक मौलिक सोच एवं संवाद की भाषा है। 'निज भाषा उन्नति अहै' को ध्यान में रखकर इस्पात मंत्रालय और इसके अधीन आने वाले उपक्रमों के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी इस हिंदी दिवस पर संकल्प लें कि वे अपना सरकारी कामकाज राजभाषा हिंदी में करेंगे तथा अपने इस्पाती इरादे को और बुलंद करते हुए मंत्रालय की गरिमा को शिखर पर स्थापित करेंगे, यह मेरी आशा एवं विश्वास है।

जय हिंद!

उद्योग भवन, नई दिल्ली
दिनांकः 14 सितंबर, 2024

(श्री एच.डी. कुमारास्वामी)